StudentBounty.com

नमूने के प्रश्न–पत्र की योजना 2011 – 2012

कक्षा – वरिष्ठ उपाध्याय
विषय – अथर्ववेद | प्रश्न पत्र –
अवधि – 3.15 | पूर्णांक – 56

1. उद्देश्य हेतु अंकभार –

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	12	21.43
2.	अवबोध	25	44.64
3.	अभिव्यक्ति	15	26.78
4.	मौलिकता	04	07.15
योग		56	100

2. प्रश्नों के प्रकारवार अंकभार –

क्र. सं.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक	प्रतिशत प्रश्नों का	संभावित
1.	अतिलघूत्तरात्मक	5	1	05	08.92	15 मिनट
2.	लघूत्तरात्मक– I	11	2	22	39.28	60 मिनट
3.	लघूत्तरात्मक – II	7	3	21	37.50	70 मिनट
4.	निबंधात्मक	2	4	08	14.28	15 मिनट
	योग	25		56	100	170 मिनट

विकल्प योजना :

पुनरावलोकन :– 10 मिनट

प्रश्नपत्रपठन :– 15 मिनट

3. विषय वस्तु का अंकभार –

क्र.सं.	विषय वस्तु	अंकभार	प्रतिशत
1	अथर्ववेद संहिता 12 तमकाण्डम्	30	53.57
2	कौशिक गृह्य–सूत्रम्	26	46.43
	योग	56	100

StudentBounty.com

प्रश्न–पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट

कक्षा – वरिष्ठ उपाध्याय　　　　विषय :– अथर्ववेद　　　　पूर्णांक – 56

क्र. सं.	उद्देश्य इकाई / उप इकाई	ज्ञान				अवबोध				ज्ञानोपयोग / अभिव्यक्ति				कौशल / मौलिकता				योग
		अति. लघू	लघू		निबं.	अति. लघू	लघू		निबं.	अति. लघू	लघू		निबं.	अति. लघू	लघू		निबं.	
			SA1	**SA2**			**SA1**	**SA2**			**SA1**	**SA2**			**SA1**	**SA2**	-	
1	अथर्ववेद संहिता 12 तमकाण्डम्	2(2)					12(6)					12(4)					4(1)	30(13)
2	कौशिक गृह्य–सूत्रम्		10(5)					9(3)	4(1)	3(3)								26(12)
	योग	2(2)	10(5)				12(6)	9(3)	4(1)	3(3)		12(4)					4(1)	**56(25)**
	कुल योग	12(7)				25(10)				15(7)				4(1)				**56(25)**

विकल्पों की योजना :– प्रश्न सं. 24 व 25

नोटः– कोष्ठक में बाहर की संख्या अंकों की तथा भीतर प्रश्नों की द्योतक है।

हस्ताक्षर

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

StudentBounty.com

नमूने का प्रश्न–पत्र

कक्षा– वरिष्ठोपाध्याय

विषय– अथर्ववेद

अनुक्रमांक

समयः 3.15 होराः **पूर्णाक 56**

* परिक्षार्थिभ्यः सामान्यनिर्देशाः *

(i) परीक्षार्थिभिः सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रोपरि नामाङ्क : अनिवार्यतः लेख्यः।
(ii) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः संस्कृतमाध्यमेन समाधेयाश्च सन्ति।
(iii) प्रत्येकं प्रश्नस्योत्तरं उत्तरपुस्तिकायामेव देयम्।
(iv) प्रत्येकं प्रश्नभागस्योत्तरं क्रमानुसारमेकत्रैव लेखनीयम्।

1	अथर्ववेदस्य शिक्षा कोऽस्ति ?	1
2	विवाहे प्रथमपूज्यः कोऽस्ति ?	1
3	संस्काराः कस्मिन ग्रन्थे वर्णिताः ?	1
4	अथर्ववेदे कति काण्डानि सन्ति ?	1
5	कौशिकगृह्यसूत्रस्य उत्तरार्धे कति अध्यायाः सन्ति ?	1
6	'' स्वाहाकारवषटकारप्रदाना देवा'' इति व्याख्यां कुरुत।	2
7	'' यस्यां समुद्र उत0'' इति मन्त्रं संस्वरं लिखत।	2
8	'' ये गन्धर्वा अत्सरसो0'' .... मन्त्रः संस्वरं पूरणीयः।	2
9	'' दक्षिणतोऽग्ने ब्रैह्मासनं निदधाति'' इत्यस्य अर्थो लेखनीयः।	2
10	''ब्रह्मचारी ब्रत्यधः शयीत'' इत्यस्य अर्थो लेखनीयः।	2
11	इमं जीवेभ्यः परिधिं0 ''........................ इति मन्त्रं लिखत।	2
12	समग्रवेदस्य कति शाखाः सन्ति ?	2
13	वेदाङ्गानि नामानि लिखत।	2
14	ये अस्या ऋच0 .... इति मन्त्रं लिखत।	2
15	ये ग्रामा यदरण्यं0 .... इति मन्त्रं लिखत।	2

17 कौशिकाचार्यस्यपरिचयः प्रदेयः। 3

18 'मधुपर्क' शब्दार्थः विवेचनीयः। 3

19 देवविवाहे कस्तावत् मधुपर्कः ? इति स्पस्टयत।

20 प्रातःसायं अग्निहोत्र विधिं लिखत।

21 मातरिश्वा च पवमानस्य. इति मन्त्रं लिखत। 3

22 अग्न्याधानविधिं विलिखत। 3

23 मधुपर्काः कति ? नामानि लेख्यानि 3

24 कौशिक गृह्यसूत्रोपरि निबन्धं लिखत। 4

अथवा

विवाहसंस्कारविधिं लिखत।

25 अथर्ववेदस्य सविस्तृतं परिचयं लिखत। 4

अथवा

भूमिसूक्तस्य सप्तमन्त्राः लेखनीयाः।

StudentBounty.com

StudentBounty.com

उत्तरतालिका

विषय– अर्थवेद

पूर्णांक –

1 अथर्ववेदस्य शिक्षा माण्डूकीयशिक्षा अस्ति।

2 विवाहे प्रथमपूज्यः गणेशोऽस्ति। 1

3 संस्काराः अथर्ववेदीय–कौशिक गृह्यसूत्रे वर्णिताः। 1

4 अथर्ववेदे विंशकाण्डानि सन्ति। 1

5 कौशिक गृह्यसूत्रस्य उत्तरार्धे सप्त अध्यायाः सन्ति। 1

6 देवानां अन्ते स्वाहा योजयित्वा हवनं कुरुत। 2

7 यस्यां समुद्र उत सिन्धु रापो यस्यामन्नं कृष्टयः संबभूवः। 2
यस्मामिदं जिन्वति प्राणदेजत सा नो भूमिः पूर्वपेयें दधातु।। 12,3

8 ये गन्धवा अप्सरसो ये चारायाः किमीदिनः। 2
पिशाचान्सर्वा रक्षांसि तानस्मद् भूमे यावय।। 12,50

9 अग्नि के दक्षिण भाग में ब्रह्मा का आसन धरे। 2

10 व्रत करने वाला ब्रह्मचारी भूमि पर सोवें। 2

11 इमं जीवेभ्यः परिधिं दधामि मैषां न गादपरो अर्थमेतम्। 12,23 2
शतं जीवन्तः शरदः पुरूचीस्तिरो मृत्युं दधतां पर्वतेन।।

12 समग्रवेदस्य 1131 (एकत्रिंशदधिक–एकादशशत) संख्यकाः शाखाः सन्ति। 2

13 ʼʼ शिक्षा कल्पो व्याकरणं निरूक्तं छन्दसां चयः। 2
ज्योतिषामयनं चैव वेदाङ्गानि षडेव तु।।

14 यो अस्या ऋच उपश्रुत्याथ गोष्वचीचरत्। 2
आयुश्च तस्य भूतिं च देव वृश्चन्ति हीडिताः।।

15 ये ग्रामा यदरण्यं याःसभा अधिभूम्याम् । 2
ये संग्रामाः समितयस्तेषु चारू वदेम ते।।

16 चतुर्दशीयुक्त पौर्णमासी को अनुमति और परिवायुक्त पौर्णमासी को राका कहते है। 2

17 कौशिकागृह्यसूत्रे कौशिका चार्यस्य परिचयः। 3

18 मधुपर्कशब्दार्थः मधुपर्कपर्यालोचनम् पुस्तके पृष्ठ संख्या 57 3

19 देवविवाहे मधुपर्कः मधुपर्कपर्यालोचनम् पृष्ठ संख्या 69 3

21 मातरिश्वा च पवमानस्य. अथर्ववेद संहिता काण्ड 121,120 3

22 अग्न्याधान विधिं कौशिक गृह्यसूत्रम् पृष्ठ संख्या 170 3

23 मधुपर्काः विषये मधुपर्कपर्यालोचनम् पृष्ठ संख्या 69–76

24. गृह्यसूत्रस्योपरि निबन्धः लेखनीयः

अथवा

संस्कारविधिः संस्कृतेन लेखनीयः

25. अथर्ववेदस्य परिचयः लेखितण्यः 4

अथवा

भूमिसूक्तस्य मन्त्राः लेखनीयाः

StudentBounty.com